सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती | **परिपत्र क्र. : 04/2015**

महासचिव : का. बी. सान्याल | **दिनांक : 05.08.2015**

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : CZIEA कार्यकारिणी समिति का आह्वान :-

- **सार्थक वेतन पुनर्निर्धारण व पेंशन का एक और विकल्प हासिल करने संयुक्त संघर्ष को शानदार रूप से सफल बनाओ**
- **केन्द्र की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ 2 सितम्बर 2015 की देशव्यापी हड़ताल को अभूतपूर्व ढंग से शत-प्रतिशत भागीदारी कर कामयाब बनाओ।**
- **बीमा उद्योग की हिफाजत व साम्प्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष अभियान जारी रखो।**
- **पी.एफ.आई. को सक्रिय करो, आन्दोलन की खबर, इंश्योरेन्स वर्कर की ग्राहक संख्या वृद्धि अभियान जारी रखो।**
- **संगठन को मजबूत बनाओ।**

निर्धारित कार्यक्रमानुसार CZIEA कार्यकारिणी समिति की बैठक 2 एवं 3 अगस्त 2015 को CZIEA के अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती की अध्यक्षता में सतना में सम्पन्न हुई। SDIEA के साथियों ने बैठक के व्यवस्थित आयोजन के लिये अनथक परिश्रम किया।

बैठक के प्रारंभ में कार्यकारिणी समिति की विगत बैठक के बाद दिवंगत RDIEU के महासचिव व CZIEA के सहसचिव का. सुजीत शर्मा, SDIEU, सूरजपुर के साथी का. युगल कुमार तिग्गा, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, गुरदासपुर बम धमाकों, आतंकवादी घटनाओं, साम्प्रदायिक हिंसा तथा प्राकृतिक आपदाओं में मृत निरीह नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में विगत कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद देश, दुनिया व औद्योगिक जगत के विभिन्न घटनाक्रमों तथा इस दौरान CZIEA की विभिन्न मंडलीय इकाई की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा के बाद प्रमुख रूप से निम्न निर्णय लिये गये :-

- **वेतन पुनर्निर्धारण व पेंशन के एक और विकल्प : अब और विलंब मंजूर नहीं, संयुक्त संघर्ष को शानदार रूप से कामयाब बनाओ**

कार्यकारिणी समिति ने 1 अगस्त 2012 से देय लंबित बीमा कर्मियों के वेतन पुनर्निर्धारण के सवाल पर AIIEA की पहल से LIC में अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त मंच के निर्माण के लिये सभी को बधाई देते हुये मध्यक्षेत्र में प्रथम चरण में संयुक्त आन्दोलन में सभी संगठनों के साथियों की प्रतिफलित हुई अभूतपूर्व एकता के लिये मध्यक्षेत्र के सभी कर्मचारियों-अधिकारियों का क्रांतिकारी अभिनंदन किया। जैसा कि आपको विदित है मध्यक्षेत्र में भी क्षेत्रीय मुख्यालय पर जबर्दस्त संयुक्त प्रदर्शन/सभायें हुई, संयुक्त परिपत्र व पोस्टर जारी किये गये। साथियों की एकजुटता से ही संघर्ष के तीखे धार का अनुभव प्रबंधन को हुआ और इसके कारण ही प्रबंधन को लिखित आश्वासन देना पड़ा था। कार्यकारिणी समिति का यह दृढ़ मत था कि हमारा वेतन पुनर्निर्धारण हमारे उद्योग की प्रगति और देयक क्षमता के ही अनुकूल होना चाहिये। चाहे प्रति कर्मचारी पालिसी सेवा उत्पादकता हो या प्रति कर्मचारी प्रीमियम आय की उत्पादकता या फिर प्रति कर्मचारी अतिरिक्त आय उत्पादकता या दावा निष्पादन, LIC ने जो प्रगति दर्ज की है वह अतुलनीय है। इसलिये बीमा कर्मचारी बिना किसी शर्त के जायज और बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण के हकदार हैं और इसमें अब और कोई भी विलम्ब स्वीकार योग्य नहीं है। इसलिये कार्यकारिणी समिति ने संगठनों के संयुक्त मंच के निम्न आन्दोलन को मध्यक्षेत्र में शानदार ढंग से कामयाब बनाने की अपील करते हुये समस्त कर्मचारियों-

अधिकारियों से एक दिन की हड़ताल हो या अन्य बड़ी आन्दोलनात्मक कार्यवाहियां उसे शत-प्रतिशत सफल बनाने का आह्वान किया।

आन्दोलन कार्यक्रम : 1 अगस्त अध्यक्ष, LIC को संयुक्त ज्ञापन प्रेषण।

5 अगस्त द्वार प्रदर्शन, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक को अध्यक्ष के नाम ज्ञापन प्रेषण।

12 अगस्त द्वार प्रदर्शन व सायंकाल से सभी अतिरिक्त सहयोग की वापसी।

19 अगस्त द्वार प्रदर्शन, संयुक्त बैठक व आगामी कार्यक्रम का निर्धारण।

बैठक ने इस दौरान 23 फरवरी 2015 को AIIEA के आह्वान पर वेतन पुनर्निर्धारण, पेंशन के एक और विकल्प तथा अन्य लंबित मुद्दों पर आयोजित दो घण्टे की बहिर्गमन हड़ताल को मध्य क्षेत्र में सफल बनाने के लिये सभी साथियों का अभिनंदन किया। कार्यकारिणी समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि तमाम नकारात्मक परिस्थितियों के बावजूद निश्चय ही संघर्षों के बल पर एक बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण अवश्य प्राप्त करेंगे।

- **2 सितम्बर 2015 की देशव्यापी हड़ताल को शत-प्रतिशत कामयाब बनाओ :**

कार्यकारिणी समिति ने विगत बैठक के बाद देश की स्थिति पर गंभीर चर्चा में यह पाया कि मोदी सरकार ने जो भी चुनाव पूर्व वायदे किये थे वह उनकी प्राथमिकता में कहीं नहीं है बल्कि यह सरकार नवउदारवाद की नीति की गति को कहीं अधिक तीव्रता से लागू करने की राह पर आगे बढ़ी है। इस सरकार का वर्गीय चरित्र भी खुले रूप में सामने आ रहा है। यह अध्यादेशों की सरकार बन गई है। बीमा में एफ.डी.आई. का सवाल हो या भू-अधिग्रहण यह सरकार के पूंजीपतिपरस्त रूख का नग्न उदाहरण है। उदारीकरण व जनवाद साथ नहीं चल सकता इसलिये मोदी सरकार श्रम कानूनों में बदलाव कर ट्रेड यूनियनों के ऊपर हमला करना चाहती है ताकि विरोध के रोड़े को समाप्त कर दिया जाय। ट्रेड यूनियन अधिकार को खत्म कर वे जनतांत्रिक अधिकारों को ही कुचलना चाहती है। जब अडवानी यह कहते हैं कि, ''देश में दुबारा आपातकाल थोपा जा सकता है।'' इससे इस सरकार का जनतंत्र विरोधी चेहरा साफ समझा जा सकता है। महंगाई रोकने का प्रश्न हो या न्यूनतम वेतन 15,000 रू. करने का, कालाधन वापसी का सवाल हो या रोजगार के अवसर निर्माण का, भ्रष्टाचार पर रोक का सवाल हो या मजदूरों के सामाजिक सुरक्षा सुविधा उपलब्ध कराने का सवाल यह सरकार घोर मालिक-पूंजीपतिपरक नीतियों पर ही अमल कर रही है। इसलिये देश की समस्त केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों और अ.भा. स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त आह्वान पर 2 सितम्बर 2015 की देशव्यापी हड़ताल को व्यापकतम व अभूतपूर्व कामयाबी के लिये हमारी शत-प्रतिशत भागीदारी होनी चाहिये। कार्यकारिणी समिति ने म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ में हड़ताल पूर्व हुये कन्वेंशनों में बीमा कर्मियों की भागीदारी पर संतोष व्यक्त करते हुये 2 सितम्बर 2015 की ट्रेड यूनियनों की संयुक्त हड़ताल को पूरी ताकत के साथ कामयाब बनाने जुट जाने का आह्वान किया।

- **बीमा उद्योग की हिफाजत व साम्प्रदायिकता के खिलाफ अभियान जारी रखो :**

कार्यकारिणी समिति का यह दृढ़ मत था कि शासक वर्ग की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमा में FDI की सीमा वृद्धि व आम बीमा क्षेत्र में विनिवेशीकरण से संबंधित बीमा कानून संशोधन विधेयक को 16 सालों तक रोके रहना AIIEA व बीमा कर्मियों के आन्दोलन की एक बड़ी उपलब्धि रही है। मोदी सरकार ने तमाम अनैतिक हथकंडों और संसदीय प्रजातंत्र के नियमों की धज्जियां उड़ाकर बीमा में FDI वृद्धि संबंधी विधेयक वामपंथ के भारी विरोध के बावजूद पारित करा लिया लेकिन राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत का हमारा संघर्ष जारी रहेगा। यह हमारे संघर्षों की ही देन है कि सरकार द्वारा पारित वर्तमान कानून में यह प्रावधान किया गया कि FDI की सीमा 26 से 49 किये जाने के बावजूद प्रबंधन भारतीय साझेदार के हाथों रहेगा। हमें मालूम है कि हमारे दुश्मन FDI की सीमा 49 प्रतिशत करने से संतुष्ट नहीं है वरन् वे इसे बढ़ाकर 74 और अंततः 100 प्रतिशत करना चाहते हैं क्योंकि उनकी असली मंशा भारत के समूचे बीमा बाजार और हमारे घरेलू बचत पर वित्तीय पूंजी का सम्पूर्ण नियंत्रण हासिल करना है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि, ''सार्वजनिक क्षेत्र का जन्म ही मरने के लिये हुआ है'' इस सरकार की वर्गीय मंशा को उद्धृत करता है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्यकारिणी समिति ने राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में हमारे संघर्ष व अभियान को निरन्तर जारी रखने का आह्वान किया।

कार्यकारिणी समिति ने नवउदारवाद की नीतियों को अग्रगति की ओर ले जाने की वर्गीय नीति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से साम्प्रदायिक विभाजन के अस्त्र का उपयोग करने शासक वर्ग की षड़यंत्रों से सावधान रहने की अपील करते हुये

स्पष्ट रूख निर्धारित किया कि साम्प्रदायिकता चाहे बहुसंख्यक की हो या अल्पमत की अंतिम विश्लेषण में दोनों ही मेहनतकशों की दुश्मन है। वर्तमान सरकार जिस विचारधारा से परिचालित है वह देश की सामाजिक-राजनैतिक समरसता व धर्मनिरपेक्षता के बुनियादी उसूलों की ही दुश्मन है इसलिये मेहनतकशों को पहचान की राजनीति हो या साम्प्रदायिक मुहिम प्रत्येक का पूरी एकता के साथ विचारधारात्मक व वैचारिक सोच के साथ निरन्तर मुकाबला करने का अभियान जारी रखना होगा। क्योंकि यह वर्गीय एकता बनाये रखने का संघर्ष चलाये बिना चार्टर हासिल करने के सवाल पर या उद्योग की हिफाजत के सवाल पर, संघर्ष भी चलाना संभव नहीं होगा।

कार्यकारिणी समिति ने इस परिप्रेक्ष्य में 25 अगस्त से 1 सितम्बर के मध्य मध्यक्षेत्र की सभी इकाईयों में न्यूनतम 2 स्थानों पर नुक्कड़ सभा आयोजित कर पर्चा वितरण का कार्यक्रम करने का निर्णय लिया ताकि 2 सितम्बर की हड़ताल के संदेश को व्यापक जनगण के मध्य पहुंचाया जा सके।

- **WFTU की 75वीं वर्षगांठ :**

उल्लेखनीय है कि AIIEA, ट्रेड यूनियन इंटरनेशन (TUI) वित्तीय क्षेत्र की सदस्य की हैसियत से WFTU (World Federations of Trade Unions) से संबद्ध है। इस वर्ष WFTU अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। कार्यकारिणी समिति ने इस परिप्रेक्ष्य में 3 अक्टूबर को समूचे मध्यक्षेत्र में WFTU की 75वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया व इस मौके पर होने वाले संयुक्त कार्यक्रम में भी भागीदारी करने की साथियों से अपील की।

- **PFI को सक्रिय करो, आन्दोलन की खबर, इंश्योरेन्स वर्कर की सदस्यता वृद्धि के प्रयास जारी रखो :**

कार्यकारिणी समिति ने हमारे विभिन्न मुद्दों पर अभियानों में समाज के विभिन्न हिस्सों के प्रबुद्धजनों की भागीदारी के उद्देश्य से PFI (भारत के लिये लोग मंच) को सक्रिय करने की अपील की। कार्यकारिणी समिति का यह मानना था कि इससे हमारे अभियानों को मदद मिलेगी। साथ ही बैठक ने इंश्योरेन्स वर्कर व आन्दोलन की खबर के सदस्य संख्या में भी निरन्तर बढ़ोत्तरी का प्रयास जारी रखने का आह्वान किया।

- **संगठन को मजबूत बनाओ :**

कार्यकारिणी समिति ने इस मध्य मध्यक्षेत्र की मंडलीय इकाई की सांगठनिक गतिविधियों की भी समीक्षा की। कार्यकारिणी समिति ने बीमा कानून संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रबुद्धजनों से पत्र एकत्रीकरण के मामले में सभी मंडलों के प्रयासों की सराहना की। कार्यकारिणी समिति ने जम्मू कश्मीर के सहायतार्थ फंड एकत्रीकरण में भी मंडलीय इकाई के प्रयासों की सराहना की तथा जिन मंडलों में कुछ कमियां रही उसे भविष्य में दुरूस्त करने का आग्रह किया। मध्यक्षेत्र की विभिन्न मंडलों का इसमें योगदान निम्नानुसार रहा :-

रायपुर	-	1,40,000
शहडोल	-	1,15,000
जबलपुर	-	1,00,000
भोपाल	-	50,000
इंदौर	-	46,000
सतना	-	23,500
बिलासपुर	-	20,000
ग्वालियर	-	11,000
कुल	-	**5,06,200**

जैसा कि आपको विदित है देश भर से एकत्रित इस राशि से AIIEA की ओर से जम्मू एवं श्रीनगर के सरकारी चिकित्सालयों में एम्बुलेंस, अन्य चिकित्सकीय सामग्री, प्रभावित कन्या शाला के पुनर्निर्माण और बुरी तरह से प्रभावित बीमा कर्मचारियों, अधिकारियों, अभिकर्ताओं के कुछ साथियों को सहायता राशि प्रदान की गई। कार्यकारिणी समिति ने सभी मंडलीय इकाईयों से नवीन राजनैतिक स्थिति का मुकाबला करने के लिये संख्यात्मक व गुणात्मक रूप से सक्षम संगठन के रूप में संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यकारिणी समिति ने का. सुजीत शर्मा के निधन से रिक्त सहसचिव के पद पर RDIEU के महासचिव का. अतुल देशमुख को कोआप्ट करने तक उनकी रिक्ति पर का. सुरेन्द्र शर्मा को कार्यकारिणी समिति के रूप में कोआप्ट करने का भी निर्णय लिया।

कार्यकारिणी समिति ने JDIEU के यूनियन कार्यालय के संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत कर क्षेत्रीय प्रबंधक को इसे प्रेषित करने का निर्णय लिया।

विशाल आमसभा :

कार्यकारिणी समिति की समाप्ति के बाद दिनांक 3 अगस्त

2015 को सतना मंडलीय कार्यालय परिसर में एक विशाल आमसभा आयोजित की गई। इस आमसभा को CZIEA के महासचिव ने संबोधित किया। आमसभा की अध्यक्षता SDIEA के अध्यक्ष का. डी.एस. बघेल व संचालन महासचिव का. टी.पी. पांडे ने किया। आमसभा में SDIEA सदस्यों के अलावा प्रथम श्रेणी अधिकारी, विकास अधिकारी व अभिकर्ता साथियों की भी भारी संख्या में सराहनीय उपस्थिति रही।

SDIEA, सतना को धन्यवाद :

कार्यकारिणी समिति ने इस मध्य बैठक की तिथियों में बदलाव से उपजी चुनौती के बावजूद कार्यकारिणी समिति की बैठक के सफलतापूर्वक आयोजन के लिये SDIEA, सतना के समस्त साथियों को क्रांतिकारी बधाई देते हुये उनके प्रति आभार प्रकट किया।

साथियों, निश्चय ही हम एक कठिन दौर में खड़े हैं लेकिन पहले भी हमने कभी शासक वर्ग की नीतियों के सामने घुटना नहीं टेका, आगे भी हम घुटने टेकने तैयार नहीं हैं। बिना किसी शर्त के बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण व पेंशन का एक और विकल्प हासिल करने का सवाल हो या बीमा उद्योग की निरन्तर प्रगति व राष्ट्रीयकृत चरित्र की हिफाजत का सवाल, नवउदारवाद की मोदी निजाम की आक्रामक मजदूर विरोधी नीतियों का सवाल हो या साम्प्रदायिक मुहिम का, आगामी दिनों में हम पूरी सांगठनिक एकता व सुदृढ़ता के साथ मुकाबला करने, सम्पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष में जुटेंगे, इन्हीं विश्वास के साथ हम उपरोक्त कार्यवाहियों को सफल बनायेंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन सहित,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

2 सितम्बर 2015 को केन्द्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ आयोजित देशव्यापी आम हड़ताल को अभूतपूर्व रूप से कामयाब बनाये।

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295